संपादकीय

क्या है नई 'भारत दृष्टि'?

वर्तमान सरकार की विदेश नीति संबंधी स्वायत्त दृष्टि क्या है? यह अपेक्षा जयशंकर से है कि ऐसे प्रश्नों पर वे पूरी व्याख्या के साथ उपस्थित हों। वरना, जहां-तहां की गई छिटपुट टिप्पणियां भारत के बारे में भ्रम को ही गहरा करेंगी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते एक संवाद में भाग लेते हुए कहा कि यूरोप की समस्याएं पूरी दुनिया की समस्या नहीं है। इसलिए यूरोप को अपनी समस्या को दुनिया की समस्या समझने की मानसिकता से ऊपर उठना चाहिए। बाद में सोशल मीडिया पर जवाहर लाल नेहरू का 1948 में संयुक्त राष्ट्र में दिया एक भाषण प्रचारित हुआ, जिसमें पंडित नेहरू ने ठीक यही वाक्य कहे थे। उसके बाद से इस संयोग पर चर्चा चल रही है कि क्या घूम-फिर कर नरेंद्र मोदी सरकार बिना साफ शब्दों में स्वीकार किए नेहरू दौर की विदेश नीति को अपना रही है। गौरतलब है कि जयशंकर के इस बयान की प्रशंसा में चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने एक पूरा लेख प्रकाशित किया। इसमें भी यही कहा गया कि भारत शुरू से ही कूटनीतिक स्वायत्तता की नीति पर चलता रहा है। चीन का अभी पश्चिमी देशों से टकराव है। इसलिए पश्चिम के खिलाफ कही गई कोई भी बात उसे रास आती है। लेकिन असल मुद्दा यह है कि क्या भारत आज सचमुच गुटनिरपेक्षता की किसी दृष्टि के साथ विश्व मंच पर उपस्थित है?

मोदी सरकार के संदर्भ में यह सवाल अधिक ध्यान खींचता है, क्योंकि अभी हाल तक माना जाता था कि ये सरकार भारत को अमेरिका और पश्चिम के खेमे में ले गई है। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से खास कर विदेश मंत्री जयशंकर की कई टिप्पणियां इस धारणा के विपरीत जाती दिखी हैं। तो सवाल यह उठेगा कि अगर भारत अपनी स्वायत्त दृष्टि के साथ विश्व मंच पर खड़ा है, तो वो दृष्टि क्या है? नेहरू की गुटनिरपेक्षता में स्वाभाविक रूप से उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ नव-स्वतंत्र देशों की एकता का नजरिया था। उसमें खुद की भारत खामियों और कमियों को खुल कर स्वीकार करने की दृष्टि थी। इस नजरिए से मोदी सरकार सहमत है, इसे मानने के लिए फिलहाल कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। तो वर्तमान सरकार की स्वायत्त दृष्टि क्या है? क्या यह विशुद्ध स्वार्थ से संचालित है? यह अपेक्षा जयशंकर से है कि इन प्रश्नों पर वे पूरी व्याख्या के साथ उपस्थित हों। वरना, जहां-तहां की गई छिटपुट टिप्पणियां भारत के बारे में भ्रम को ही गहरा करेंगी।

भारत ने मत्स्य सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ बैठक में मसौदे को किया खारिज

नई दिल्ली । भारत ने मछुआरों को सब्सिडी सीमित करने के मुद्दे पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की जिनेवा बैठक में पेश मसौदे की अलोचना करते हुए कहा है कि इसमें विकासशील देशों के लिए समान अवसर का प्रावधान नहीं है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि उसको ऐसा कोई मसौदा स्वीकार नहीं है जिसमें छोटे और परंपरागत मछुआरों की आकांक्षाओं और उनकी आजिविका का समाधान नहीं होता।

डब्ल्यूटीओ की 12वीं मंत्रीस्तरीय बैठक में मछली उद्योग के लिए सब्सिडी के विषय पर बातचीत में हस्तक्षेप करते हुए भारतीय वार्ताकार दल के नेता और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा,मेरा दृढ़ मत है कि इस समय जो कवायद चल रही है उसमें विकासशील देशों के लिए बराबरी का अवसर देने का प्रावधान नहीं किया जा रहा है और ना ही इसमें परंपरागत मछुआरों की आकांक्षाओं और उनकी आजिविका का समाधान के प्रावधान हैं।

श्री गोयल ने कहा,करोड़ों मछुआरे जिनमें करीब 90 लाख मछुआरे भारत के हैं। वे सरकार की मदद और सहायता पर निर्भर करते हैं। यद्पि उन्हें मिलने वाली सहायता भी बहुत कम है जैसा की मैं पहले बता चुका हूं।

वाणिज्य मंत्री ने कहा,ऐसा कोई फैसला जिसमें मछली पकडने वाली छोटी इकाइयों और परंपरागत मछुआरों को अपनी क्षमता बढ़ाने का मौका ना दिया गया तो उनके भविष्य के अवसर छीन जाएंगे।

श्री गोयल ने कहा कि भारत में सालभर में मछुआरों के एक परिवार को बड़ी मुश्किल से 15 डॉलर की सरकारी सहायता मिलती है। जबकि दुनिया में ऐसे देश भी हैं जो प्रति मछुआरा परिवार 42 हजार डॉलर, 65 हजार डॉलर और 75 हजार डॉलर की सरकारी सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा,मत्स्य उद्योग सब्सिडी के बारे में इस समय रखा गया मसौदा इस तरह की विसंगति को संस्थागत रूप देना चाह रहा है।

श्री गोयल ने कहा कि भारत के मछुआरे केवल देश के अन्नय आर्थिक क्षेत्र (ईसीजेड) में ही रहकर ही मछली पकड़ते है और वह गहरे समुद्र में बहुत कम ही जाते हैं। भारत में मछली का पौराणिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। भारतीय मछुआरों का जीवन अनंतकाल से समुद्र के साथ जुड़ा हुआ है। मछली पकडने का काम ही उनके जीवन का आधार है। भारतीय मछुआरे मछली पकडने का काम बहुत जिम्मेदारी और स्वस्थ तरीके से करते हैं। यह उनकी सोच का हिस्सा है। निपट गरीबी में रहते हुए भी भारतीय मछुआरे वर्ष में उन 61 दिनों तक स्वयं मछली पकडने के लिए जाल डालने से बचते हैं जब मछलियों के अंडे देने और प्रजन्न देने का समय होता है।

उन्होंने बैठक को यह भी बताया कि इस तरह अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक भारतीय मछुआरे साल में दो महीने मछली पकडने से परहेज करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं देख रहा हूं कि बहुत से देशों ने अपने मछुआरों को लेकर चिंता जतायी है लेकिन इनमें से किसी के यहां 1500, किसी के यहां 11,000, तो किसी के यहां 23,000, तो किसी के यहां 12,000 मछुआरे हैं। जबकि भारत की चिंता अपने 90 लाख मछुआरों की है।

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए मोदी कैबिनेट ने लगाई मुहर

नई दिल्ली । लम्बे समय से टेलीकॉम कंपनियां 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी का इंतजार कर रही थी। केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी पर मोहर लगा दी है। कैबिनेट की हुई बैठक में इसका फैसला किया गया है। टेलीकॉम विभाग की तरफ से जल्द आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सरकार की तरफ जारी बयान में कहा गया है कि 72 गिगा हर्टज के स्पेक्ट्रम की नीलामी 20 साल के लिए की जाएगी। बता दें, 5जी की स्पीड 4जी से 10 गुना ज्यादा होगी।

5जी स्पेक्ट्रम की बोली जुलाई के अंत तक संभव है। इस ऑक्शन में टेलीकॉम सेक्टर के तीन बड़े प्लेयर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के शामिल होने की संभावना है। नीलामी लगाने वाले के पास 10 साल के बाद स्पेक्ट्रम को सरेंडर करने का भी विकल्प रहेगा।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पेक्ट्रम नीलामी का दूरसंचार विभाग का प्रस्ताव मंजूर कर लिया है, इसके तहत जनता और उद्यमों को 5जी सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सफल बोलीदाताओं को स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाएगा। सरकार 20 वर्ष की वैधता वाले कुल 72097.85 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की जुलाई माह के अंत तक नीलामी करेगी। इसके अलावा विभिन्न निम्न, मध्यम और उच्च फ्रिक्वेंसी बैंड के लिए भी स्पेक्ट्रम नीलामी की जाएगी।

इसमें कहा गया, सफल बोलीदाताओं को अग्रिम भुगतान करने की कोई अनिवार्यता नहीं होगी, ऐसा पहली बार हो रहा है। स्पेक्ट्रम के लिए भुगतान 20 बराबर सालाना किस्तों में किया जाएगा और ये अग्रिम किस्तें प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में देनी होगी।

टाटा ग्रुप के ये दो स्टॉक 52 हफ्ते के लो के करीब, एक्सपर्ट बोले- तुरंत खरीद लो

नई दिल्ली । शेयर बाजार में लगातार गिरावट का असर बड़ी कंपनियों के शेयरों पर भी पड़ा है। कुछ महीने पहले तक छोटे निवेशकों की पहुंच के बाहर रहे बड़े-बड़े स्टॉक्स अब इतना नीचे गिर चुके हैं कि उन्हें खरीदकर होल्ड किया जा सकता है। इन स्टॉक्स में टाटा ग्रुप के भी 2 हैं। टाटा स्टील और टाटा कम्युनिकेशन के शेयर भाव 52 हफ्ते के लो के करीब हैं और एक्सपर्ट इन्हें तुरंत खरीदने की सलाह दे रहे हैं। मेटल सेक्टर का स्टॉक टाटा स्टील आज शुरुआती कारोबार में 3.40 फीसद गिरकर 962.30 रुपये पर आ गया। इसका 52 हफ्ते का लो 950.65 रुपये है। आज यह इस स्तर तक आ गया था। टाटा स्टील के बारे में 15 एक्सपर्ट तुरंत खरीदने और 8 भी जब मौका मिले खरीदने की सलाह दे रहे हैं। वहीं 4 होल्ड करने और केवल 3 ही बेचने की सलाह दे रहे हैं। टाटा स्टील पिछले 52 हफ्तों में 1534.50 रुपये का उच्च स्तर भी देख चुका है। हालांकि इसमें निवेश करने से पहले अपने एडवाइजर की सलाह जरूर ले लें।

जून के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री 54 प्रतिशत बढ़ी, डीजल की मांग में 48 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली । मांग में लगातार सुधार के साथ भारत में एक साल पहले की तुलना में जून के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री 54 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं इस दौरान डीजल की खपत में 48 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पिछले साल 2021 की समान अवधि में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता देश भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर का प्रकोप था, जिसकी वजह से ईंधन की मांग में गिरावट आई थी। सार्वजनिक क्षेत्र के पेट्रोलियम कंपनियों ने एक से 14 जून के दौरान 12.8 लाख टन पेट्रोल की बिक्री की। यह आंकड़ा पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 54.2 प्रतिशत अधिक है।

उद्योग के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून, 2022 की बिक्री का आंकड़ा जून, 2020 के पहले पखवाड़े में मांग की तुलना में 48.2 प्रतिशत अधिक है और कोविड-पूर्व यानी जून, 2019 की 10.2 लाख टन बिक्री से 25 प्रतिशत अधिक है। माह-दर-माह आधार पर पेट्रोल की बिक्री 0.8 प्रतिशत बढ़ी है। देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ईंधन डीजल की बिक्री जून के पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर 47.8 प्रतिशत बढ़कर 34 लाख टन हो गई। यह आंकड़ा जून, 2020 की इसी अवधि की तुलना में 37.3 प्रतिशत अधिक और कोविड-पूर्व अवधि की तुलना में 20.3 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले महीने मई के पहले पखवाड़े के 30.3 लाख टन खपत की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है।

रसोई गैस की बिक्री जून के पहले पखवाड़े में 4.21 प्रतिशत बढ़कर 10.6 लाख टन हो गई। यह आंकड़ा 2020 की तुलना में 20.3 प्रतिशत अधिक और जून, 2019 के पहले पखवाड़े की तुलना में 28.1 प्रतिशत अधिक है।

ग्लेन मैक्सवेल की दमदार पारी से जीता ऑस्ट्रेलिया, पहले वनडे में श्रीलंका को 2 विकेट से हराया

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे मैच में 2 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 में दासुन शनाका की दमदार पारी की बदौलत श्रीलंका ने जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की वनडे सीरीज में अच्छी शुरुआत की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम ने गुनाथिलकरुन, पथुम निसानका, कुसल मेंडिस के अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 300 रन का विशाल लक्ष्य रखा। बारिश से प्रभावित मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 44 ओवर में 282 रन बनाने का लक्ष्य मिला था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 9 गेंद पहले जीतकर पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

सलामी बल्लेबाज दनुष्का गुणथिलाका और पथुम निस्संका ने श्रीलंका को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी हुई। लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने सिर्फ दो के अंतर पर ही अपने विकेट गंवा दिए थे, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने मैच में वापसी की थी। गुणथिलाका 55 और निस्संका 56 रन बनाकर आउट हुए।

जिसके बाद कुसल मेंडिस ने पारी को संभाला। मेंडिस ने असलंका (37) और आखिर में हसरंगा (37) के साथ मिलकर टीम के स्कोर को 300 तक पहुंचाने में मदद की। कुसल मेंडिस ने 8 चौके और 1 छक्के की बदौलत 87 गेंद में 86 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से अगर और लाबुशेन को 2-2 विकेट, जबकि झे रिचर्डसन और हेजलवुड ने 1-1 विकेट झटके।

बारिश के कारण ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 44 ओवर में 282 रन बनाने का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम के सलामी बल्लेबाजी डेविड वॉर्नर तीन गेंद खेलकर ही पवेलियन लौट गए थे। जिसके बाद बारिश की वजह से मैच रुकने से ठीक पहले कप्तान अरोन फिंच भी 41 गेंद में 44 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

पटेल-चहल के दम पर भारत ने जीता तीसरा टी 20

विशाखापत्तनम। सलामी बल्लेबाजों ऋतुराज गायकवाड (57) और ईशान किशन (54) के शानदार अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज हर्षल पटेल (29 रन पर चार विकेट) और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (20 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी 20 में मंगलवार को 48 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में खुद को जिन्दा रखा। भारत ने पांच विकेट पर 179 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को 19.1 ओवर में 131 रन पर ढेर कर शानदार जीत अपने नाम की। हालांकि यह मैच हारने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका सीरीज में 2-1 से आगे है। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को उसके ओपनरों ने 97 रन की शानदार शुरुआत दी। उस समय ऐसा लग रहा था कि भारत 200 के ऊपर जाएगा लेकिन दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए लगातार विकेट निकाले और भारत को 179 रन पर रोक दिया। गायकवाड ने 35 गेंदों पर 57 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए जबकि किशन ने 35 गेंदों पर 54 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों में दो छक्कों के सहारे 14 रन बनाये। पांड्या ने 21 गेंदों पर 31 रन में चार चौके लगाए। कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर फ्लॉप रहे और आठ गेंदों में छह रन बनाकर आउट हुए। दिनेश कार्तिक ने छह और अक्षर पटेल ने नाबाद पांच रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से ड्वेन प्रिटोरियस ने 29 रन पर दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहमान टीम को भारतीय गेंदबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से लगातार दबाव में रखा। अपनी लय में दिखाई दे रहे चहल ने दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के तीन विकेट चटकाकर उसकी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। रही सही कसर हर्षल ने पहले मैच के हीरो डेविड मिलर को आउट कर पूरी कर दी।

रवीना टंडन ने फिल्म यस पापा को दी अपनी आवाज

पेटा से लेकर यूनिसेफ तक, रवीना टंडन हमेशा परोपकारी कार्यों में शामिल रही हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने वाली फिल्म मातृ में नजर आने वाली अभिनेत्री सामाजिक मुद्दों के बारे में भी बेबाक रही हैं। बालिकाओं के साथ दुर्व्यवहार पर आधारित, एक ऐसा अपराध जो हमारे समाज में मौजूद है और जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है क्योंकि बहुत कम लोग शिकायत दर्ज कराने या अपराधियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करने का साहस जुटा पाते हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री रवीना टंडन को लगता है, बिना सनसनीखेज हुए, सैफ दृढ़ता से अपनी बात रखते हैं जिससे हमारे समाज में जागरूकता पैदा होगी। सैफ के यस पापा हमारे समाज में बच्चों की सुरक्षा की बात करते हैं, जो हमारा लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकार है। नाटककार और थिएटर निर्देशक से फिल्म निर्माता बने सैफ हैदर इस कहानी को एक अलग तरीके से बताना चाहते थे।

मुझे यकीन था कि पारंपरिक कहानी कहने से न्याय नहीं होगा, इसलिए मैंने एक ऐसी दुनिया बनाई जो मेरे दर्शकों को परेशान करेगी और वे अंतर्धारा महसूस करेंगे, श्रद्धा कपूर, जैकी श्रॉफ, सोनाली कुलकर्णी और जीनत अमान, जैसे कलाकार तथा निर्देशक आकाश खुराना, अभिषेक चौबे और भरत दाभोलकर जैसे दिग्गजों ने भी सैफ की फिल्म को सपोर्ट किया।

टीवी अभिनेत्री गौरी टोंक शो कामना में एंट्री करती आएंगी नजर

टीवी अभिनेत्री गौरी टोंक शो कामना में एंट्री करती नजर आएंगी। इस शो उन्हें मानव गोहिल के किरदार की पूर्व पत्नी निहारिका कपूर के रूप में कास्ट किया जाएगा।

उन्होंने अपनी भूमिका को हॉट एंड फैब बताया और कहा कि उनके चरित्र का ग्राफ अच्छा है और शो में उनका लुक भी अच्छा है।

अभिनेत्री गौरी टोंक कहती हैं, मैंने इस शो के बारे में और इस तथ्य के बारे में सुना था कि अवधारणा और कहानी रन-ऑफ-द-मिल शो से अलग हैं। यह जानकर अच्छा लगा कि किसी ने कुछ नया करने की कोशिश की। इसलिए, मैं काफी उत्साहित थी जब मुझे कामना की पेशकश की गई थी, क्योंकि मुझे हमेशा से यह कॉन्सेप्ट पसंद आया था।

आज का राशिफल

मेष: आज आप निजी संबंधों में एक शिखर तक पहुंचेंगे। आप ऐसी परिस्थितियों में किस तरह का बर्ताव करते हैं और संबंधों के प्रति किस प्रकार का अभिगम रखते हैं, उसी पर संबंध आधारित होंगे।

वृष: आज आप भावनाओं के प्रवाह में बहेंगे। इसके कारण आप कुछ निर्णय दिमाग से नहीं, बल्कि दिल से लेने के लिए मजबूर बनेंगे। दोपहर बाद आपको किसी की चाहतों और भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखना पड़ेगा।

मिथुन: अपने प्रियजनों को खुश करने और रिझाने के लिए आप यथासंभव प्रयास करेंगे तथा उनसे भी यही अपेक्षा रखेंगे। परंतु आप अन्य लोगों की जितनी अधिक मांगे संतुष्ट करने का प्रयास करेंगे, उतनी अधिक मांगे आती जाएंगी।

कर्क: आपकी कार्य करने की पद्धति बेमिसाल होने से कोई उसकी बराबरी नहीं कर सकता । आप हाथ में लिए हुए कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे । वित्तीय समस्याएं आज गौड बन जाएंगी।

सिंह: बहुत लंबे समय से आप जिन्हें नहीं मिले, वैसे लोगों का संपर्क स्थापित करने का आज प्रयत्न करेंगे। नई जान-पहचान होने की भी संभावना है। आप किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहने का प्रयास करेंगे।

कन्या: परिवार आपके अग्रिम स्थान पर रहेगा। इसलिए पारिवारिक सदस्यों की इच्छाएं पूर्ण करना, उन्हें खुश करने और उनके साथ संबंध मजबूत करने की कोशिश करेंगे। आर्थिक लाभ की संभावना है। दिन के अंत में आप सुख-संतोष की भावना का अनुभव करेंगे।

तुला: अन्य सभी बातों को किनारे रखकर आज आप अपनी सुंदरता के प्रति जागरूक होंगे और उसे निखारने के लिए प्रयत्नशील बनेंगे। लोग आपकी सुंदरता से मंत्रमुग्ध होकर आपकी तरफ आकर्षित होंगे।

वृश्चिक: आपको प्रणय संबंध आज लाभदायक साबित होगा, जो आपको बाहरी शक्तियों के विरुद्ध लडने की शक्ति देगा और आंतरिक खोज करने का समय देगा। भावनाओं के आवेग को आज काबू में रखना पड़ेगा। आत्मविश्वास अधिक होगा।

धनु: आज आपके मन पर यात्रा पर जानेकी धुन सवार रहेगी। मित्रों के साथ मुलाकात होगी। जनसंपर्क आपका मनपसंद क्षेत्र होगा। जिनके विषय में आप चर्चा करेंगे और व्यावसायिक मोर्चे पर वे उपयोगी साबित होंगे। शाम के समय आकस्मिक धन लाभ आपके चेहरे पर खुशी छलकाएंगे।

मकर: आप अपने सामाजिक वृत को विस्तृत करने की इच्छा रखेंगे। इसके कारण भविष्य में आप स्वस्थ और लाभप्रद संबंध विकसित कर सकेंगे। कोई भी बाजी जीतने के लिए आप त्यागना पसंद नहीं करेंगे।

कुंभ: धैर्य आज के दिन का मूलमंत्र है। किसी भी स्पर्धा या युद्ध को जीतने के लिए धैर्य रखना आवश्यक है। यदि आप बुद्धिपूर्वक सभी कुछ करेंगे, तो निश्चित रूप से विजयी साबित होंगे।

मीन: आपका स्वभाव किसी से छिपा नहीं है, परंतु आज आप किसी की प्रगति से थोड़ा अस्वस्थ बनेंगे। गुस्से से कोई लाभ नहीं है इसलिए आप अपने सदगुणों और परिश्रम से इच्छित वस्तु प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

'भरवां टिंडे' की सब्जी

रेसिपी का नाम सुनते ही इसे इग्नोर करने के बजाय एक बार पढ़ें और बनाकर भी देखें। यकीन मानिए खाते वक्त कोई समझ ही नहीं पाएगा कि ये वही टिंडे की सब्जी है।

सामग्री :

टिंडे- 4-5, प्याज- 1, लहसुन-अदरक का पेस्ट- 1 चम्मच, उबले आलू- 2-3, भुना बेसन- 1 चम्मच, नमक-स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, तेल- आवश्यकतानुसार

विधि :

भरवां टिंडे बनाने के लिए मीडियम साइज के टिंडों को छीलने के बाद उनके ऊपरी हिस्से को चाकू से गोलाई में काटकर छोटी चम्मच की सहायता से उसके सारे बीज निकाल लें।

अब इसे नमक वाले पानी में पांच मिनट तक उबालकर धीरे से किसी छलनी पर पलट दें जिससे टिंडे टूटे नहीं।

प्याज, लहसुन और अदरक के पेस्ट में नमक, लाल मिर्च पाउडर मिलाकर भून लें।

फिर इसी मसाले में उबले आलू का पेस्ट, भुना बेसन या पनीर मिलाकर मनचाही स्टफिंग तैयार कर टिंडों के बीच भर लें।

फ्राइंगपैन में थोड़ा सा तेल डालकर उस पर टिंडे रखें और ढककर धीमी आंच पर पकाएं या फिर इन्हें प्री हिटेड माइक्रोवेव में 180 डिग्री टेंपरेचर पर 20 मिनट तक रखें।

चाहें तो भरवां टिंडों को प्याज-टमाटर की ग्रेवी में भी डाल सकती हैं।

शब्द सामर्थ्य- 104

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

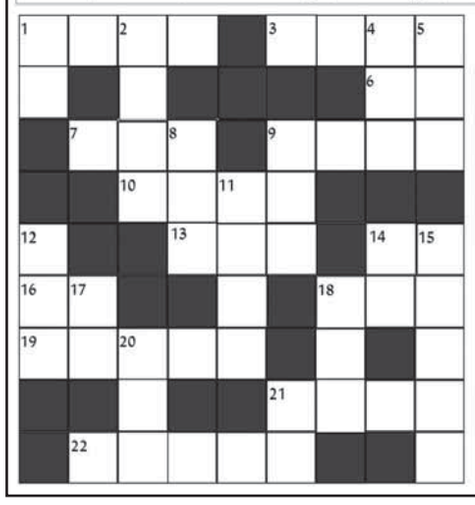

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू- 104

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4